
Mahavidya Dhyanam Mantrah

महाविद्या ध्यानम् मन्त्रः

Document Information

Text title : Mahavidya Dhyanam and Mantra

File name : mahAvidyAdhyAnam.itx

Category : devii, dashamahAvidyA, dhyAnam, mantra

Location : doc_devii

Latest update : November 22, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om


This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 22, 2023

sanskritdocuments.org

——
महाविद्या ध्यानम् मन्त्रः



महाविद्या मन्त्रः -

हूँ श्रीं ह्रीं वज्रवैरोचनीये हूँ हूँ फट् स्वाहा ऐं ।

महाविद्या ध्यानम् -

चतुर्भुजां महादेवीं नागयज्ञोपवीतिनीम् ।

महाभीमां करालास्यां सिद्धविद्याधरैर्युताम् ॥

मुण्डमालावलीकीर्णां मुक्तकेशीं स्मिताननाम् ।

एवं ध्यायेन्महादेवीं सर्वकामार्थं सिद्धये ॥

देवी चतुर्भुजा, सर्प का यज्ञोपवीत धारण करने वाली है
ये महाभीमा है, करालवदना है, सिद्ध और विद्याधरों से
वेष्टित है, ये मुण्डमाला से अलंकृत है । इनके केश खुले
व लहरा रहे हैं और ये हास्यमुखी है । सर्वकामार्थं सिद्धि
के लिये देवी का इस प्रकार ध्यान करना चाहिये ।

Mahavidya Dhyanam Mantrah

pdf was typeset on November 22, 2023

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

